शहेरिये में बाज रही बीन बंशी डूंगर पूरी जी भजन

शहेरिये में बाज रही बीन बंशी,
अखंड धुन बाज रही बंशी गहरी।bd।

ज्ञान ध्यान रा धोरा बाधा,
लागी सुरत तणी,
अलख पुरुष रा वंकुआ मार्ग,
सेहरी है शांकड़ी,
सहेरिये में बाज रही बीन बंशी,
अखंड धुन बाज रही बंशी गहरी।bd।

नाभी कमल में बाजार अडानी,
हीरो से हाट भरी,
संत होवे सो पारख लेना,
पारस हीर कणी,
सहेरिये में बाज रही बीन बंशी,
अखंड धुन बाज रही बंशी गहरी।bd।

गगन मण्डल में अखी अखाड़ा,
जिल मिल ज्योति जली,
गुप्त स्वरुपी बाजा बाजे,
अनहद नाद सुनी,
सहेरिये में बाज रही बीन बंशी,
अखंड धुन बाज रही बंशी गहरी।bd।

अनेक संतो रे शरणे आया,
धीरप ध्यान धरी,
दोय कर जोड़ डुंगर पुरी जी बोले,
साधुड़ो रा सत्तर धणी,
सहेरिये में बाज रही बीन बंशी,
अखंड धुन बाज रही बंशी गहरी।bd।

शहेरिये में बाज रही बीन बंशी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Singer – Vikram Barmeri
8302031687

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com